



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 195] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 12, 1978/चैत्र 22, 1900  
No. 195] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 12, 1978/CHAITRA 22, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

गृह संचालक

अधिदूचना

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1978

क्रा. आ. 263(अ).—दण्ड प्रतिक्रिया संहिता (1974 का अधिनियम 2) की धारा 24 की उपधारा 6 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, दण्ड प्रतिक्रिया संहिता की धारा 346 के साथ पठित जांच आयोग अधिनियम की धारा 5(4) के अधीन, तारीख 28-5-1978 का अधिमूचना सख्या क्रा. आ. 374 (ई.) के अधीन गठित जांच आयोग द्वारा दिल्ली के मुख्य मंत्रिपालटन मजिस्ट्रेट श्री पी. के. जैन के न्यायालय को भेजे जाने वाले मामलों के अभियोजन के लिए भारतीय

दण्ड संहिता की धारा 178 और 179 के अधीन किये गये अपराधों के लिए धीरेन्द्र ब्रह्मचारी पर मुकदमा चलाने के लिए एडवोकेट श्री कार्ल खण्डालावाला को विशेष पब्लिक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती हूँ।

[सं. 6/11020/19/78-कॉमसेक]

ज. सी. पाण्डे, नियुक्त सचिव

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 12th April, 1978

**S.O. 263E).**—In exercise of the powers under Sub-Section 6 of Section 24 of the Criminal Procedure Code (Act II of 1974) the Central Government hereby appoints Shri Karl Khandalwala, Advocate, as Special Public Prosecutor for the purpose of prosecuting the case to be forwarded under Section 5(4) of the Commission of Inquiry Act read with Section 346 of the Cr. P. C. to the Court of Shri P. K. Jain, Chief Metropolitan Magistrate, Delhi by the Commission of Inquiry constituted under Notification No. S. O. 374 dated 28-5-1977 for the trial of Shri Dhirendra Brahmachari for offences under Sections 178 & 179 IPC.

[No. VI/11020/19/78-Comsec.]

J. C. PANDEY, Jt. Secy